

प्रेषक,

डा० राकेश कुमार  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
प्रिद्यालयी शिक्षा  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक: 27 मार्च, 2009

विषय:-

चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में रा०बा०इ०क० दौलिया, नैनीताल के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 581/52858/जीए-सीए/2008-09; दिनांक: 25 फरवरी, 2009 के संबंध में तथा शासनादेश संख्या: 1625/XXIV-3/07/02(88)/2006; दि० 15.01.2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजकीय बालिका इण्टर कालेज दौलिया, नैनीताल के भवन निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित लागत रु० 66.20 लाख के सापेक्ष पूर्व में स्वीकृत धनराशि रु० 28.20 लाख को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रु० 40.00 लाख (रुपये चालीस लाख मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में प्ररनगत योजना में शासनादेश संख्या 657/XXIV-3/08/02(37)2008; दिनांक: 16 अप्रैल, 2008 द्वारा प्ररनगत योजनान्तर्गत आपके निपतंत्र पर रखी गयी धनराशि रु० 1500.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति गिन्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

- (1)- आगमन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगमन की स्वीकृति मान्य होगी।
- (2)- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- (3)- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (4)- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य टेकअप किया जाय।

कमरा.....2

हस्ताक्षर

(2)

- (5)- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मददे नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- (5)- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मददे नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- (6)- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भूली-भांति निरीक्षण उच्च-अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल पर आवश्यकतानुसार एवं प्राप्त निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- (7)- आगमन में जिन नदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (8)- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।
- (9)- जो 0मी0डब्ल्यू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगमन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा। विलम्ब की दशा में आगमन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
- (10)- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219(2006) दिनांक: 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगमन गठित करते समय कच्चाई से अनुपालन कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- (11)- निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण एजेंसी उत्तरदायी होगी।
- (12)- उक्त भवन निर्माण कार्य की प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुए उक्त कार्य को समयबद्धता के साथ शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करना तथा भवन विभाग को हस्तान्तरित किया जाना सुनिश्चित किया जाय। विलम्ब के कारण आगमन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा साथ ही निर्माण इकाई के साथ वित्त विभाग के आदेशानुसार निर्धारित प्रारूप पर एम0आ0यू0 हस्ताक्षर कर लिया जाय तथा निर्माण कार्य माह अप्रैल, 2009 तक पूर्ण कर भवन हस्तान्तरण सुनिश्चित किया जाय।

2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान दितीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहां आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व रक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।

हस्ताक्षर

कमरा:.....3

2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय में अनुदान संख्या:11 के अधीन लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा, खेल-कूद तथा संस्कृति पर पूर्यगत परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा-202-माध्यमिक शिक्षा-00-आयोजनागत-11-रा0हा0 एवं इ0 कार्रजों के भवनहीन/जीर्ण-शीर्ण भवनों का निर्माण 24-वृद्ध निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अज्ञातकीय संख्या: 967(P)/ वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-3/09, दिनांक: 26 मार्च, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा0 राकेश कुमार)  
सचिव

संख्या: 468/(1)/XXIV-3/09/02(88)2006; तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्ता, कुमायूँ मण्डल- नैनीताल।
- 6- अपर शिक्षा निदेशक, कुमायूँ मण्डल-नैनीताल।
- 7- बजट, राजगोष्ठीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 8- जिलाधिकारी, नैनीताल।
- 9- कोषाधिकारी, नैनीताल।
- 10- जिला शिक्षा अधिकारी, नैनीताल।
- 11- संबंधित निर्माण एंजेन्सी।
- 12- वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ,
- 13- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड शासन।
- 14- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 15- नार्ड फाइल।

हार्ग

आज्ञा से,

(15)

(पी0एल0शाह)  
उप सचिव